UTTAR PRADESH 456 1 500 Rs.

: १ :

हम श्याम किशोर टन्डन पुत्र श्री द्वारका प्रसाद टन्डन उर्फ़
मुनुआ जी बहैसियत खुद व पिदर व वली कुदरती विनायक नाबालिग़ पिसर
अपने व श्रीमती राजरानी टन्डन विधवा श्री द्वारका प्रसाद टन्डन उर्फ़
मुनुआ जी साकिनान मिश्री बाग़ नम्बर ११६, बाग़ बाई शहर इलाहाबाद
हाल मुकीम नम्बर १७७, ममफ़ोर्डगंज शहर इलाहाबाद के हैं ।

जो कि मिश्री बाग़ जिसका कि नम्बर पुराना ६६ व हाल नम्बर
११६, बाग़ बाई शहर इलाहाबाद मशमूल दीगर जायदाद के मुकिर नम्बर १
के पिदर श्री द्वारका प्रसाद टन्डन उर्फ़ मुनुआ जी व मुकिर नम्बर १ को
जरिये फ़ैमली सेटेलमेंट दाइमी जो कि दरमियान राय बहादुर लाला
बिहारी लाल जी व उनके पिसरान व श्री कामता प्रसाद टन्डन व उनके

Shyam Kishore Tandon for self and guardian of Vinayak minor
Raj Rani
Hira Lal Pandey 5A Katra Purcha Allahabad
Mata Prasad Pd Advocate 44 South Malaka Alld.

UTTAR PRADESH

500 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५००रु. Rs500

भारत

पाँच सौ रुपया FIVE HUNDRED RUPEES

Raj Rani

पिसर व मुकिर नम्बर १ व पिदर मुकिर नम्बर १ व शौहर मुकिरा नम्बर २ दिनांक २७ सितम्बर सन् १९३९ ई० को हुआ था, मिला था जो कि फ़ैमली सेटेलमेंट मज़कूर में लाट बी० से दिखलाया गया है जिसपर कि पिदर मुकिर व मुकिर मालिकाना काबिज़ व दखील हुये। श्री द्वारका प्रसाद टन्डन उर्फ़ मुनुआ जी मज़कूर मिश्री बाग़ में दिनांक १३।१४ अगस्त सन् १९६३ ई० को कत्ल कर दिये गये उसके बाद हम मुकिरान ने मिश्री बाग़ को बिल्कुल छोड़ दिया और किराये के मकान नम्बर १७७, ममफ़ोर्डगंज शहर इलाहाबाद में रह रहे हैं। श्री द्वारका प्रसाद टन्डन उर्फ़ मुनुआ जी ने कोई लड़की नहीं छोड़ा सिर्फ़ मुकिर नम्बर १ को पिसर व मुकिरा नम्बर २ को बेवा व वारिस व पसमान्दा खान्दान छोड़ा इस तरह पर हम मुकिरान मिश्री बाग़

UTTAR PRADESH

मज़कूरे बाला के मालिक व काबिज़ व दखील हुये जिसमें कोई दूसरा साझी-
दार नही है और जो इस समय तक हर तरह के बार से पाक व साफ़ है ।
हम मुकिरान का आबाई पेशा मट्टी के तेल की एजेन्सी का व पेट्रोल का है
जिसमें कि आजकल काफ़ी लागत की ज़रूरत पड़ती है उसको तरक्की देने के
लिए हम मुकिरान को रुपये की ज़रूरत है इसके अलावा हम मुकिरान को
रहने के लिए मकान सकूनती भी प्लाट खरीद करके बनवाना है अगर न
बनवाया जावेगा तो रहने की बहुत तकलीफ़ रहेगी और खानदानी वकार
में कमी हो जावेगी उसके बनवाने के लिए हम मुकिरान को रुपये की ज़रूरत
है । बगैर फ़रोख्त मिश्री बाग़ मज़कूरे बाला के ऊपर लिखी हुई ज़रूरियात
पूरी नही हो सकती हैं लेहाज़ा हम मुकिरान ने बख्याल फ़ायदा खान्दान

Shyam Kishore Tandon
Raj Rani

: ४ :

व नाबालिग़ मज़कूरे बाला का देखते हुये यह मुनासिब समझा कि मिश्री बाग़ मज़कूरे बाला को बेच दिया जावे और उसकी क़ीमत से ऊपर लिखी हुई ज़रूरियात रफ़ा की जावें ऐसा करने से सरासर फ़ायदा ख़ान्दान व नाबालिग़ मज़कूरे बाला का है लेहाज़ा हम मुक़िरान अपने राज़ी व ख़ुशी से बिला किसी के धमकाये व बहकाये व अपने होश व हवास में व फ़ायदा ख़ान्दान व नाबालिग़ का देखते हुये व बाद लेने सलाह व मश्वेरा अपने मशीरान व रिश्तेदारान कानूनी व भलाई चाहने वालों के कुल हिस्सा मिश्री बाग़ नम्बर पुराना ६६ उन्हत्तर व हाल नम्बर ११६ एक सौ उन्नीस बाग़ बाई शहर इलाहाबाद जो कि नक्शे मुन्सलके दस्तावेज़ हाज़ा में लाल रंग से दिखलाया गया है मय ज़मीन व अमला व मय जुमला हक़ व हकूक़ सबके सबको जो कि इस समय तक हर तरह के बार से पाक व साफ़ है और जिसमें कोई दूसरा साझीदार नहीं है मुबलिग़ ३५०००) पैंतीस हज़ार रूपये के बदले में कि जिस

Sanjeev Kishore Tandon

Raj Rani

UTTAR PRADESH 25 RS.

पच्चीस रुपया

२५रू. भारत INDIA 25RS

TWENTY FIVE RUPEES

का आधा मुबलिग १७५००) सत्रह हज़ार पांच सौ रूपया होता है बदस्त श्रीमती स्वर्ण कुमारी दुग्गल पत्नी श्री विश्वा मित्र दुग्गल साकिन नेता नगर कीटगंज शहर इलाहाबाद बेचा व बय कामिल किया और कुल ज़र समन हाकिम रजिस्ट्री के सामने वसूल पाया इस तौर से कुल ज़र समन वसूल हो गया अब कुछ बाकी नहीं रहा । हमने अपना कब्ज़ा, दखल मालिकाना बेची हुई जायदाद से उठा लिया और खरीदारिया को मालिकाना काबिज़ व दखील करा दिया । आज की तारीख़ से बेची हुई जायदाद की मालिक व काबिज़ खरीदारिया हुई । खरीदारिया अपना नाम कागज़ात नगर महापालिका इलाहाबाद में दर्ज करा लेवें और जो जो तसर्रुफात मालिकाना व इन्तेकालात चाहें अमल में लावें । अब कोई हक़ व हिस्सा हमारा व हमारे वारिसान व कायम मुकामान का बेची हुई जायदाद में बाकी नहीं रहा । और बेची हुई जायदाद कुल या जुज़ कब्ज़ा व दखल खरीदारिया से निकल

Raj Rani

जावे जिससे कि खरीदारिया का नुकसान व खिसारा होवे तो खरीदारिया को हक़ होगा कि कुल ज़र समन अपना मय खिसारा व नुकसान हम मुकिरान के ज़ात व जायदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला व नीज़ वारिसान व कायम मुकामान हम मुकिरान से जिस तरह पर चाहें वसूल कर लेवें इसमें हम मुकिरान व हमारे वारिसान व कायम मुकामान को कुछ उज्र न होगा लेहाज़ा यह बयनामा लिख दिया कि सनद रहे और समय पर काम आवे ।-

: तफ़सील जायदाद मुबैया :

मिश्री बाग़ जिसका कि नम्बर पुराना ६६ उन्हत्तर व हाल नम्बर ११६ एक सौ उन्नीस बाग़ बाहर शहर इलाहाबाद है मय ज़मीन व अमला का जुज़ हिस्सा जो कि नक्शे मुन्सलके दस्तावेज़ हाज़ा में रंग लाल से दिखलाया गया है और जिसकी पैमाइश व चौहद्दी हस्ब ज़ेल है मुबैया व मय बाउन्ड्रीवाल मुबैया ।

: पैमाइश व चौहद्दी जुज़ हिस्सा मिश्री बाग़ मुबैया :

जानिब पूरब की पैमाइश ४ चार टुकड़ों में उत्तर से दक्खिन को है : एक टुकड़े की पैमाइश ८५ पचासी फ़ीट व दूसरे टुकड़े की पैमाइश १२८ एक सौ अट्ठाइस फ़ीट व तीसरे टुकड़े की पैमाइश २० बीस फ़ीट व चौथे टुकड़े की पैमाइश

की पैमाइश २१ एक्कीस फ़ीट ६ इं: इंच है ।

जानिब पश्चिम : २२८ दो सौ अट्ठाइस फ़ीट ६ इं: इंच उत्तर से दक्खिन को व जानिब उत्तर : ६१ एक्कयानवे फ़ीट पूरब से पश्चिम को व जानिब दक्खिन : ५२ बावन फ़ीट पूरब से पश्चिम को है ।

पूरब : मकानात दूसरे लोगों के हैं ।

पश्चिम : बकिया हिस्सा मिश्री बाग़ ।

उत्तर : बकिया हिस्सा मिश्री बाग़ और सुबेया ।

दक्खिन : त्रिवेनी रोड ।

दिनांक २३ तेइस फ़रवरी सन् १९६५ ई० ,

टाइप कर्ता : Kailash Behari Dey.

मसविदा कर्ता :